(ग) इस विद्यालय पर कितना धन व्यय होगा और यदि इस बारे में कोई व्यवस्था नहीं की गई तो उसके क्या कारण हैं और इस विद्यालय की इमारत का निर्माण करने के बारे में सरकार की नीती क्या है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मन्त्री (डा. प्रताप चन्द्र) : (क) से (ग). अपेक्षित सूचना, दिल्ली नगर निगम, दिल्ली से एकत्र की जा रही है तथा यथाशीघ् सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

नई दिल्ली नगरपालिका की बसें

1903. **श्री श्याम सुन्दर दास** : क्या निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नई दिल्ली नगरपालिका की नौ बसें कुल कितने मूल्य पर खरीदी गई और बेची गईं;

(ख) क्या नई दिल्ली नगरपालिका को इस सौदे में काफी हानी उठानी पड़ी ; और

(ग) यदि हां, तो इसके मुख्य कारण क्या हैं?

निर्माण और आवास तथा पूर्ति और पुनर्वास मन्त्री (श्री सिकन्दर बख्त) : (क) क्रमशः 9,89,352.90 रुपये तथा 5,17,524.00 रुपये में ।

(ख) जी, हां ।

(ग) जैसा कि नई दिल्ली नगरपालिका ने बताया हानि का मुख्य कारण बसों के चलने की लागत 3.00 रुपये प्रति किलो मीटर आती थी जबकि बसों को चलाने के लिए दिल्ली परिवहन निगम से केवल 1 रुपया प्रति किलो मीटर मिलता था ।

Central Funds for Maintenance of Maharashtra Housing Board Colonies, Bombay

1904. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION be pleased to state:

(a) whether the Central Government are aware that tenants of the Maharashtra Housing Board colonies in Bombay are suffering due to lack of maintenance and also to the absence of any ownership policy;

(b) whether the Maharashtra Government has approached the Centre for funds for maintenance and repairs at any time during the last three years; and

(c) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI SIKANDAR BAKHT): (a) As per the report received from the Maharashtra Government, it is true that tenants of the Maharashtra Housing Board colonies are suffering due to lack of maintenance. However, the scheme for sale of tenements to the occupants has been finalised.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

10+2+3 शिक्षा प्रणाली के बारे में असंतोष असंतोष

1905. **श्री यादवेन्द्र दत्त :**

श्री श्याम लाल धूर्वे :

श्री भारत सिंह चौहान :

क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या 10+2+3 शिक्षा प्रणाली के बारे में छात्रों ने अपना असन्तोष व्यक्त किया है ;

(ख) यदि हां, तो इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ग) क्या इस बारे में सरकार द्वारा कोई कर्यवाही की गई है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (डा. प्रताप चन्द्र चन्द्र) : (क) से (ग) छात्रों के

एक वर्ग ने 10+2 पद्धति के कार्यान्वयन से उत्पन्न कुछ कठिनाईयों पर असन्तोष व्यक्त किया है। ये मुख्य रूप से पाठ्य-पुस्तकों की अनुपलब्धता तथा पाठ्यचर्या विषय वस्तु की देरी से उपलब्धता से संबंधित हैं।

छात्रों की कठिनाईयों को दूर करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये गये हैं :—

कक्षा XII की परीक्षा के लिए कुछ विषयों की केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की पाठ्यचर्या तथा पाठ्य-पुस्तकों के कुछ अंश हटाकर और केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड परीक्षा, 1979 को लगभग पंद्रह दिन स्थगित करके। एक दीर्घावधि उपाय के रूप में यह भी निश्चय किया गया है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् की कक्षा XI और XII पुस्तकों के अतिरिक्त पाठ्य-पुस्तकों की सूची की सिफारिश करेगा ताकि छात्रों को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् की पाठ्य-पुस्तकों की देरी से उपलब्धता के कारण कठिनाई न हो। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान तथा प्रशिक्षण परिषद् स्कूलों से मांग प्राप्त होने पर उन्हें सीधे ही पाठ्य-पुस्तकों की आपूर्ति भी करेगी।

बीमारी के आधर पर टेलीफोन के कनेक्शनों के लिए आवेदन पत्र

1906. श्री सूरत कार :

श्री रामदेव सिंह :

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1978-79 के दौरान हुर्शीद लाल भवन, जनपथ नयी दिल्ली स्थित टेलीफोन मुख्यालय को बीमारी के आधार पर छह महीने के लिए टेलीफोन कनेक्शन देने हेतु बड़ी संख्या में आवेदन पत्र मिले हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनमें से छः महीने के लिए टेलीफोन कनेक्शन देने के लिए कुल कितने आवेदन पत्र स्वीकृत हुए हैं ; और

(ग) उनमें से कुल कितने ऐसे आवेदन पत्र अस्वीकृत किए गए हैं जिन पर बीमारी के आधार पर छः महीने के लिए टेलीफोन कनेक्शन दिये जाने चाहिए थे तथा इसके क्या कारण हैं ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री नरहरि प्रसाद सुखदेव साय) : (क) जी हां।

(ख) तारीख 1-4-78 से 31-1-79 के बीच करीब 1250 अस्थायी टेलीफोन कनेक्शन दिए गए। इनमें से अधिकांश बीमारी के आधार पर ही दिए गए थे।

(ग) संबंधित टेलीफोन एक्सचेंजों में अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होने पर बीमारी के आधार पर टेलीफोन कनेक्शन मंजूर किए जाते हैं। बशर्ते कि जहां टेलीफोन अपेक्षित है उस सीमा क्षेत्र के लिए केबुल पेयर्स भी उपलब्ध हों। यह कहना कठिन है कि कितने मामलों पर विचार नहीं किया गया, कारण इस प्रकार के आंकड़े नहीं रखे जाते हैं।

Management of Sugar Mills taken over by Government

1907. SHRI B. K. NAIR:

SHRI M. RAM GOPAL REDDY:

Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) the complete list, as of date, of the sugar mills the managements of which have been taken over by the Government under the new Act;

(b) the arrears of cane prices owed by the respective managements to the cane-growers at the time of take over and the amounts, if any, outstanding as of date; and

(c) the steps taken by Government to realise from the managements the arrears owed and still outstanding?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI BHANU PRATAP SINGH): (a) and (b). The names of the sugar undertakings taken over by the Government and the amount of cane arrears owed by the respective